

66/63

8/12/2012

4)



उत्तर प्रदेश UTTAR PRADESH

053442



विक्रय विलेख

विक्रय मूल्य : ₹ 19,83,875/-
 भावनात्मक मूल्य : ₹ 30,00,000/-
 स्थापित मूल्य : ₹ 2,00,000/-
 परगना : विजयनगर

यह विक्रय विलेख भगवानदीन व देवकी नन्दन पुत्र
 शिवनारायण निवासी- मुखमफर नगर फुसवल, परगना
 विजयनगर, तहसील व जिला लखनऊ जिन्हें जमीन विक्रेता

भगवानदीन देवकी नन्दन

For Mr. Bhagwan Din Deveshi Nandan, Ltd.

Authorised Signatory

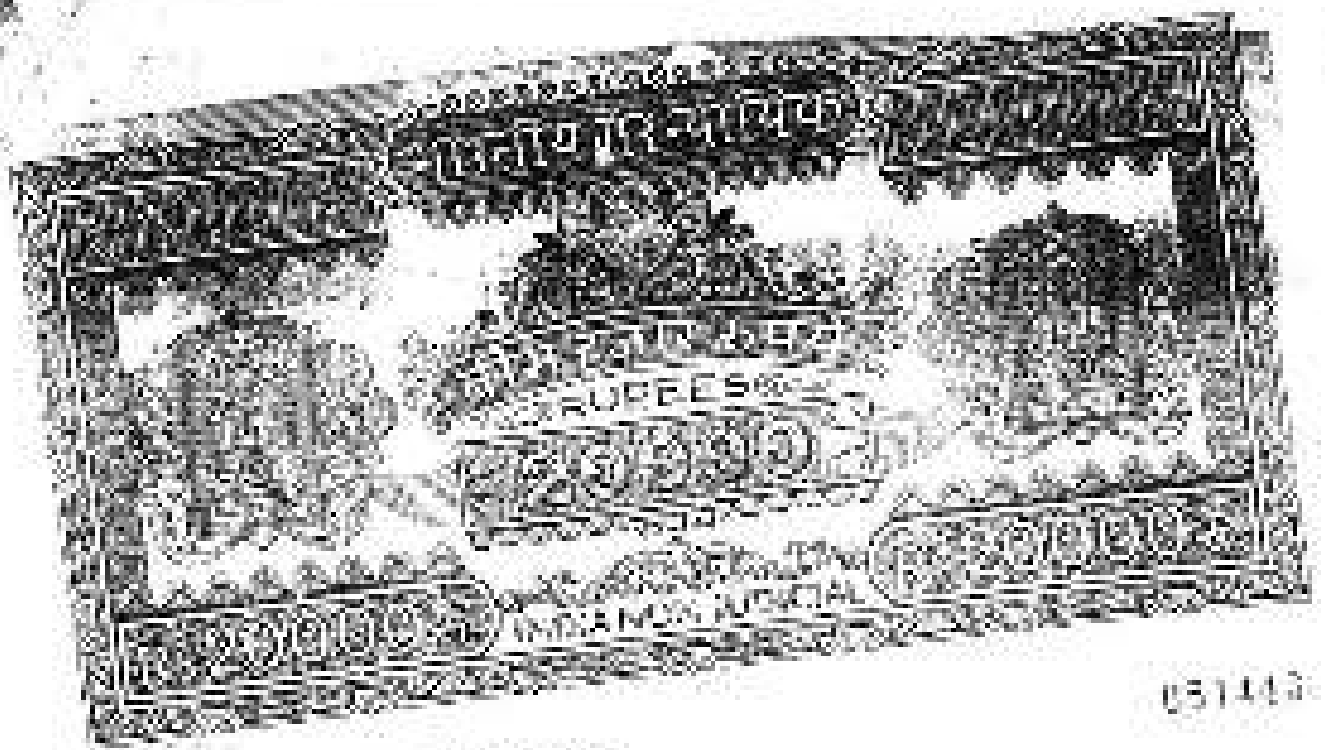
आपकी सेवा के लिये
 धन्यवाद
 आपका विश्वसनीय
 मित्र
 श्री. [Signature]
 [Signature]

₹. 100000/-
 200000/-
 1000000/-

श्री. [Signature] जी महोदय -
 मैं आपकी सेवा के लिये
 धन्यवाद प्रार्थना करता हूँ।
 आपका विश्वसनीय मित्र
 श्री. [Signature]
 [Signature]

₹. 100000/-

श्री. [Signature] जी महोदय -
 मैं आपकी सेवा के लिये
 धन्यवाद प्रार्थना करता हूँ।
 आपका विश्वसनीय मित्र
 श्री. [Signature]
 [Signature]



051443

उत्तर प्रदेश UTTAR PRADESH

-2-

कहा गया है एवम् केयरफुल रियल स्टेट प्राइवेट लिमिटेड
 रजिस्टर्ड आफिस- 1101 टार्लेस्टोन फाउन्स, टार्लेस्टोन
 मार्ग, नई दिल्ली. वर्तमान पता-श्री १३-राणा प्रताप मार्ग लखनऊ
 नार्थ ०५एम०सी०ए० बिल्डिंग, १३-राणा प्रताप मार्ग लखनऊ
 द्वारा अधिकृत दस्तावेजी श्री के०के०एसिड, पुत्र २८ महेंद्र
 सिंह वर्तमान एवं रजिस्टरी पता-श्री १३-राणा प्रताप मार्ग लखनऊ
 बिल्डिंग, १३-राणा प्रताप मार्ग लखनऊ जिन्हें आप प्रेषण
 कहा गया है के कदम निम्नलिखित किया गया।

आदेश नं० १९७१/१९७२

THE STATE OF UTTAR PRADESH
 1971



उत्तर प्रदेश UTTAR PRADESH

11111

11111

-4-

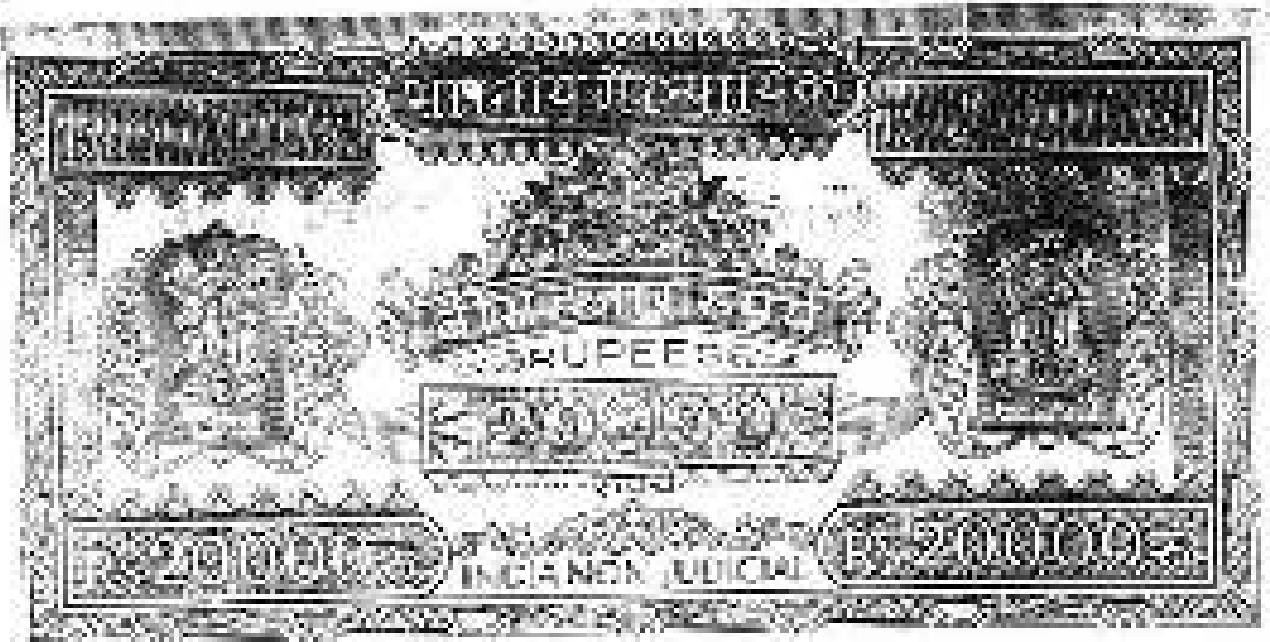
हुसैन, परगना-बिहार तहसील व जिला लखनऊ का मालिक, कानिज व कश्मिर है तथा उपरोक्त सम्पत्ति पटराशिक खाता खर्चीनी क्रम संख्या १४४ व ११४ के अनुसार भूमि बिलेता के नाम का अमल परामर्श राजस्व अभिलेखों में हो गया है। बिलेता अपना सम्पूर्ण हिस्सा बिलेता को इस विज्ञापन बिलेता द्वारा विक्रय कर रहा है बिलेता उपरोक्त सम्पूर्ण भूमि के मालिक, कानिज व कश्मिर है एवं वर्तमान समय में उक्त भूमि भूमि भूमि है, और यह कि बिलेता यह घोषित करता है कि उपरोक्त वर्गीकृत भूमि सभी प्रकार के भारों से मुक्त एवं साफ व स्वच्छ है तथा

महोदय। ११/११/११

११/११/११

11111

11111



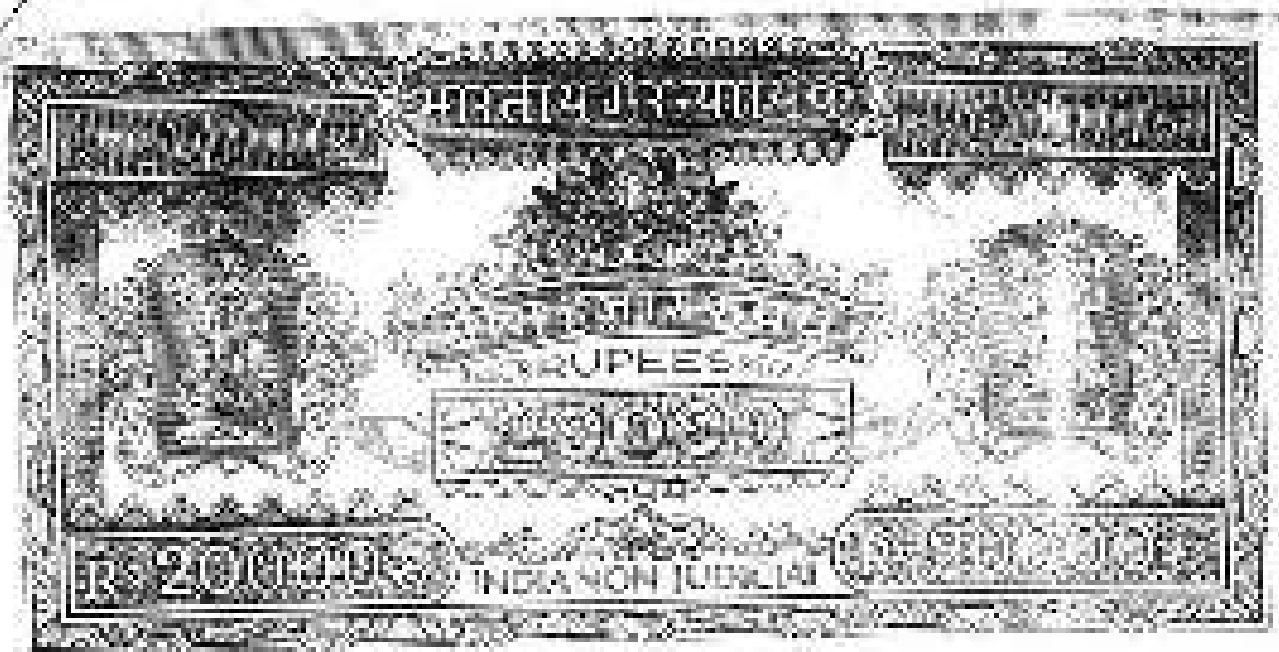
उत्तर प्रदेश UTTAR PRADESH

151445

विक्रेता ने इसे इस विक्रय के पूर्ण नहीं बच, डिब्बा गिराये या अनुपस्थित इत्यादि नहीं किया है। उपरोक्त भूमि का सम्पूर्ण कोई भाग किसी गन्तव्यस्थ या सरकारी कार्यवाही के अन्तर्गत विवाद का वस्तु विषय नहीं है, न ही पूर्ण इत्यादि है। विक्रेता के अलावा उक्त भूमि में किसी अन्य व्यक्ति का स्वत्व, हक या दावा इत्यादि नहीं है, एवं विक्रेता को एकत्र विज्ञापन अन्तर्गत करने का पूर्ण अधिकार प्राप्त है। आरक्षक उपरोक्त सहमति के फलस्वरूप रु० 19,88,500/- (जुद्धा उन्नीस लाख अष्टसहस्री हजार आठ सौ मात्र) के प्रतिफल में विफल कि उपरोक्त केला द्वारा विक्रेता

2000/1 15/10/2000

For the Government of Uttar Pradesh
 Secretary, Land Department



U.P. LKO-C

10/05/1960

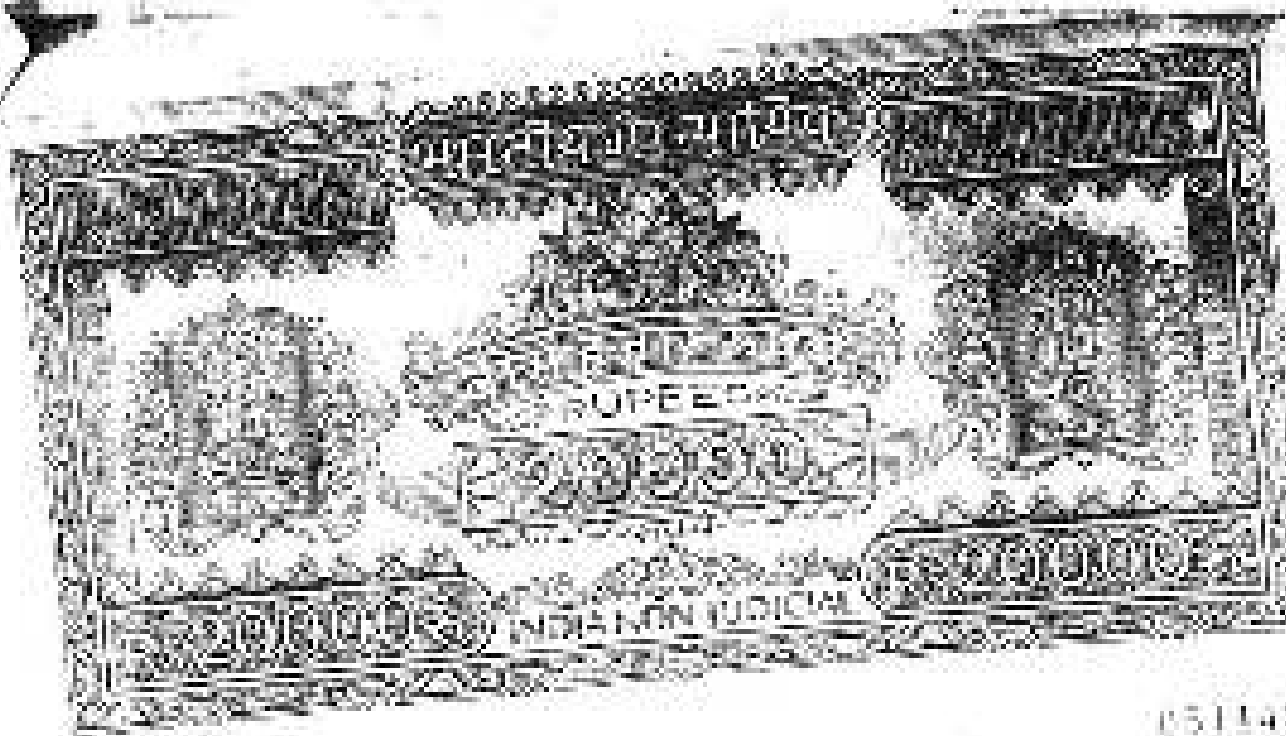
- 6 -

की इस विवेक से अन्त में दो सौ अनुसूची में वर्णित विधि से अनुसार भुगतान कर दिया गया है। एतद्विषयी प्राप्ति से विवेक यहाँ स्वीकार करता है, तदनुसार उक्त विक्रेता उक्त जेता के द्वारा संप्रसारित वर्णित भूमि, जिसका विवरण इस विक्रेता विवेक के अन्त में अनुसूची के अन्तर्गत दिया गया है, को कटई बेच दिया है, एवं विक्रेता ने दिव्यगुप्त हूमे का मोटा पर कटका जेता को बखूबी फल दिया गया है। अब उक्त जेताजी पर विवेक तथा तत्संबंधी परिभाषा का कोई अधिकार नहीं है। विवेक ने दिव्यगुप्ता सन्तति को अपने स्वामित्व से समस्त

[Handwritten signature]

10/05/1960

[Handwritten mark]



अधिकारों के साथ मेलना न होना के लिए देता जो
 असाधारण कर दिया है। अब देता विवायशुदा सम्पत्ति एवं
 उसके प्रत्येक भाग को अपने एकमात्र स्वामित्व व अधिकार में
 रखे। सम्पत्ति के रूप में धारण एवं उपयोग व उसकी
 रखरखाव। विवेका उसमें किसी प्रकार की अशुभता काया नहीं हो
 सके। एवं न ही कोई भाग कर सके। और यदि विवेकशुदा
 सम्पत्ति अथवा कोई भाग विवेका के स्वामित्व में भुटि के कारण
 या कानूनी अशुभता या कानूनी भुटि के कारण देता या उस
 वास्तविक निष्पादन इत्यादि के कले या अधिकार या स

22/1/1954 देना 1/1/54



CE 1449

- 3 -

से लिखा जाये हो केना एषको यास्मान निम्नलिखित इत्यदि
 जे यह एउ होन कि एउ अपना समस्त नुकसान नय हर्जा न
 खाया, विवेका की बल, क्षमर सम्पत्ति से परिये अदालत गचल
 कर ऐ। उस रिफा मे दिखेता एवं समस्त परिस्थान हर्जा न
 खाई देने हेतु बाध्य होगे।

तह कि केना विक्रयानुस शर्षटि की शक्तिन धारिण
 एषस्य अलिखित मे अपने नाम दर्ज करा हैं तो दिखेता को
 कोई आपत्ति न होगी और यह कि इस विक्रय विलेख को पूर्व
 का अगर कोई अनाया किसी तरह का भार इस सम्पत्ति पर

20101018/...

20101018/...
 20101018/...



17.1.74

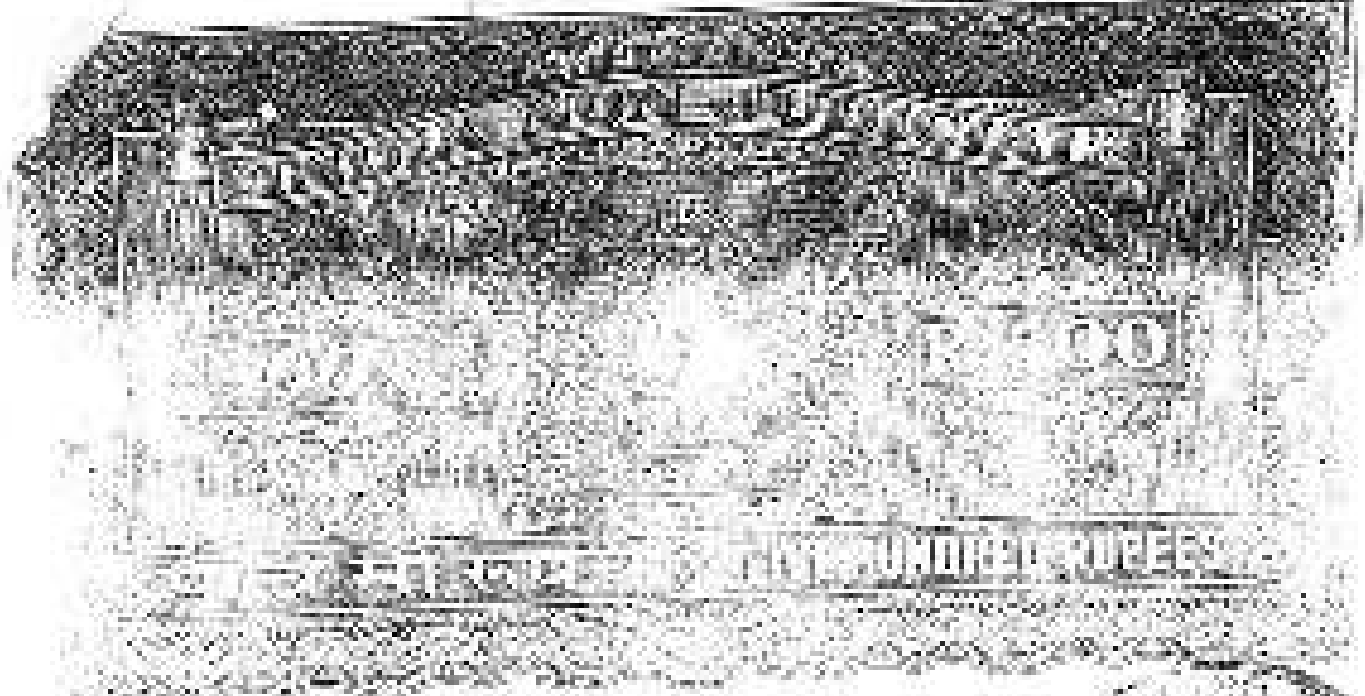
- 5 -

होगा जो उसको बिक्री का शुल्क न वसूल करेंगे, जिला को कोई आपत्ति न होगी।

यह कि उपरोक्त ससरा नम्बर 340 मुताफकर नगर पुरावल अर्धनगरीय क्षेत्र के विविध नाम के आवासीय भाग है इसलिए निर्धारित सरकित रेट रु० 11,00,000/- प्रति डेकडर के हिसाब से बिक्रीत भूमि 0.450 हेक्टेयर की मालिकता रु० 19,80,800/- होती है तथा उक्त भूमि पर 8 पेड़ एवं 8 छिनकी मालिकता रु० 20,000/- होती है इस प्रकार भूमि का कुल मालिकता रु० 20,00,800/- होती है। विवरण मूल्य भूमि

(Signature) 20.1.74

(Signature)



इस विषय में विवरण का संग्रह कर लिया गया है।

लिखना यह विवरण का एक विवरण है जो कि एक से अधिक विवरणों को एक साथ रखने और आवश्यकता पड़ने पर काम आने।

परिशिष्ट : विवरण विवरणशुद्ध सम्पत्ति का विवरण

गुनि संख्या नं 79 रकम 0.013, संख्या नं 137 रकम 2.093,
संख्या नं 140 रकम 0.443, संख्या नं 14481 रकम 0.033,

2-10-1941 दिनांक 10/10/1941
[Signature] [Signature]

भारतीय नगर न्यायाधिकार

एक सौ रुपये

Rs. 100

INDIA NO.

उत्तर प्रदेश UTTAR PRADESH

-12-

खसरा नं० 1611 रकबा 0.023, खसरा नं० 229 रकबा 0.008,
खसरा नं० 273 रकबा 0.598, खसरा नं० 307 रकबा 0.114 कुल
रकबा 3.249 के 1/2 भाग अर्थात् 1.6245 हेक्टेयर व खसरा
नं० 67 रकबा 0.087 हेक्टेयर, खसरा नं० 144 रकबा 0.152
हेक्टेयर, खसरा नं० 292 रकबा 0.216 हेक्टेयर कुल रकबा 0.
734 हेक्टेयर के 1/4 भाग 0.1835 हेक्टेयर कुल रकबा 3.813
हेक्टेयर स्थित ग्राम गुजवर नगर पुलिस बसगा-मिलान,
तहसील गंजिमा, जिला, लखनऊ, गिरफ्तारी धौलपुरी जिला है

अन्तर्गत दिनांक १६/११/२०२०

१०

१०



1980

उत्तर प्रदेश UTTAR PRADESH

- 12 -

संख्या 70/79

अन्तर्गत	: संख्या संख्या-72
दक्षिण	: संख्या संख्या-73
पूरुब	: संख्या संख्या-74
पश्चिम	: संख्या संख्या-75

संख्या 70/137

अन्तर्गत	: संख्या संख्या-137, 138, 139
दक्षिण	: संख्या संख्या-134, 135, 136, 122

अन्तर्गत नोट्स देखी-देख

1980

भारतीय गैर न्यायिक

एक सौ रुपये

Rs. 100

STATE OF UTTAR PRADESH

- 14 -

गुरु	: खसरा संख्या—153, 181
महिष	: खसरा संख्या—130, 136, 140, 165
<u>खसरा नं० 140</u>	
खसरा	: खसरा संख्या—154, 155
महिष	: खसरा संख्या—136, 138
गुरु	: खसरा संख्या—137, 139, 138
महिष	: खसरा संख्या—108, 145, 143

25.10.1964

भारती युगेन आदि

हमारे सभी कर्मचारी

$$D = 1.57$$

उत्तर प्रदेश UTTAR PRADESH

11

0207 50 1444

तुलना : १५५५-१५५६

दशमः : प्रश्न संख्या : ७३

सूचक संख्या-152, 154

परिचय : स्वतंत्र संख्या-104

असह्य नमो १०१५

संख्या : सप्तम संख्या— 53-159

दक्षिण : सप्तम संख्या-१३३

सुप्रीम कोर्ट

Tom Pak Growth and Expense Pvt. Ltd.

Authorized Electeds

संख्या-247

संख्या-127

असरा नं० 236

संख्या-234, 250

संख्या-237

संख्या-283

संख्या-295

असरा नं० 278

संख्या-276

संख्या-289, 290,

291, 292, 293, 294, 295

संख्या-260, 261, 262,
263, 264, 265

असरा नं० 304

संख्या-303

संख्या-291

असरा नं० 304

पुरुष : उत्तरा संख्या-308

महिला : उत्तरा संख्या-308

उत्तरा नं० 137

उत्तरा : उत्तरा संख्या-32

महिला : उत्तरा संख्या-33, 34

पुरुष : उत्तरा संख्या-33, 34

परिवार : पान सेवा इंडिस्ट्रिज

उत्तरा नं० 144

उत्तरा : उत्तरा संख्या-145, 150

महिला : उत्तरा संख्या-143

पुरुष : उत्तरा संख्या-152, 154

परिवार : उत्तरा संख्या-104

उत्तरा नं० 292

उत्तरा : उत्तरा संख्या-294, 297

महिला : उत्तरा संख्या-237

पुरुष : उत्तरा संख्या-294, 263

परिवार : उत्तरा संख्या-253

अ. ३ (८) निदेशी केन्द्रीय

परिशिष्ट : भुगतान विवरण

1. विजेता नं. रजि. 3, 005/2008 का दाय वक संख्या- 453/13
दिनांकित 06.06.2008 पंजाब नेशनल बैंक इजराक
लखनऊ क्रेता से प्राप्त किया।
2. विजेता नं. रजि. 4, 74, 400 का दाय वक संख्या- 453/13
दिनांकित 06.06.2008 पंजाब नेशनल बैंक इजराक
लखनऊ क्रेता से प्राप्त किया।
3. विजेता नं. रजि. 5, 000/2008 का दाय वक संख्या- 453/13
दिनांकित 08.08.2008 पंजाब नेशनल बैंक इजराक
लखनऊ क्रेता से प्राप्त किया।
4. विजेता नं. रजि. 494, 400 का दाय वक संख्या- 453/14
दिनांकित 06.06.2008 पंजाब नेशनल बैंक इजराक
लखनऊ क्रेता से प्राप्त किया।

453/14 16/6/08 16/6/08

(16)

श्री एच. सुत सिंह जी को 150000/- रकम
एच. सुत सिंह जी को 150000/- रकम देकर
श्री एच. सुत सिंह जी को 150000/- रकम देकर

हस्ताक्षर
दिनांक 08/08/2018

2. 150000/-

श्री एच. सुत सिंह जी

गुणः

1. श्री एच. सुत सिंह जी
श्री एच. सुत सिंह जी
श्री एच. सुत सिंह जी

दिनांक

श्री एच. सुत सिंह जी को 150000/- रकम देकर

श्री एच. सुत सिंह जी को 150000/- रकम देकर
श्री एच. सुत सिंह जी को 150000/- रकम देकर

2. 150000/-
श्री एच. सुत सिंह जी को 150000/- रकम देकर
श्री एच. सुत सिंह जी को 150000/- रकम देकर

हस्ताक्षर
श्री एच. सुत सिंह जी

हस्ताक्षर
श्री एच. सुत सिंह जी
(श्री एच. सुत सिंह जी)
श्री एच. सुत सिंह जी

1. The first part of the report is a general description of the project and its objectives. This section should be written in a clear and concise manner, using simple language and avoiding technical jargon. It should also include a brief history of the project and a statement of the problem being addressed.

2. The second part of the report is a detailed description of the methodology used in the study. This section should be written in a clear and concise manner, using simple language and avoiding technical jargon. It should also include a brief history of the project and a statement of the problem being addressed.

3. The third part of the report is a detailed description of the results of the study. This section should be written in a clear and concise manner, using simple language and avoiding technical jargon. It should also include a brief history of the project and a statement of the problem being addressed.



4. The fourth part of the report is a detailed description of the conclusions of the study. This section should be written in a clear and concise manner, using simple language and avoiding technical jargon. It should also include a brief history of the project and a statement of the problem being addressed.

5. The fifth part of the report is a detailed description of the references used in the study. This section should be written in a clear and concise manner, using simple language and avoiding technical jargon. It should also include a brief history of the project and a statement of the problem being addressed.

6. The sixth part of the report is a detailed description of the appendixes used in the study. This section should be written in a clear and concise manner, using simple language and avoiding technical jargon. It should also include a brief history of the project and a statement of the problem being addressed.



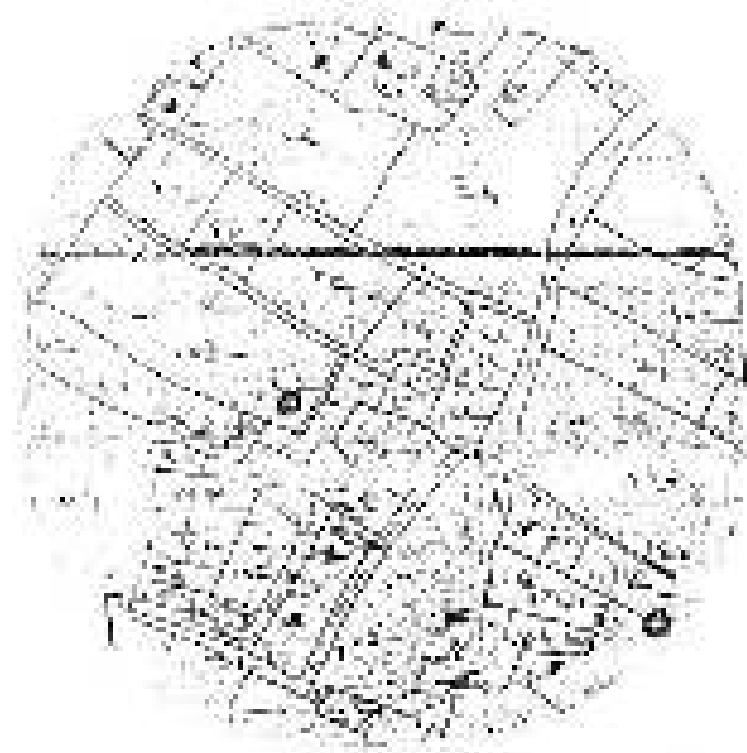
सर्वप्रथम, प्रत्येक व्यक्ति को

तकनीक

के बारे में

सुनिश्चित करना

है कि



सुनिश्चित करना

है कि

सर्वप्रथम, प्रत्येक व्यक्ति को

तकनीक



संयुक्त राज्य अमेरिका के विकास के लिए
प्रयत्न

पृष्ठ 4

संयुक्त राज्य अमेरिका
के विकास के लिए



संयुक्त राज्य अमेरिका
के विकास के लिए
प्रयत्न

For Fair Growth Res. Est. 1954-55
Author's Signature



सर्वप्रथम सर्वोच्च न्यायालय

पृष्ठ सं.

पृष्ठ सं.

पृष्ठ सं.

पृष्ठ सं.



सर्वप्रथम सर्वोच्च न्यायालय

पृष्ठ सं.

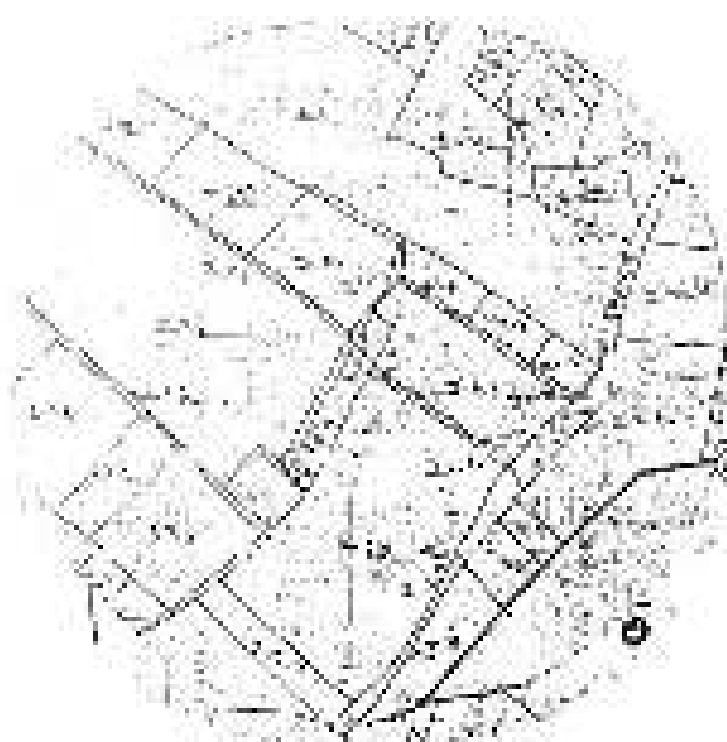
पृष्ठ सं.

सर्वप्रथम सर्वोच्च न्यायालय

पृष्ठ सं.

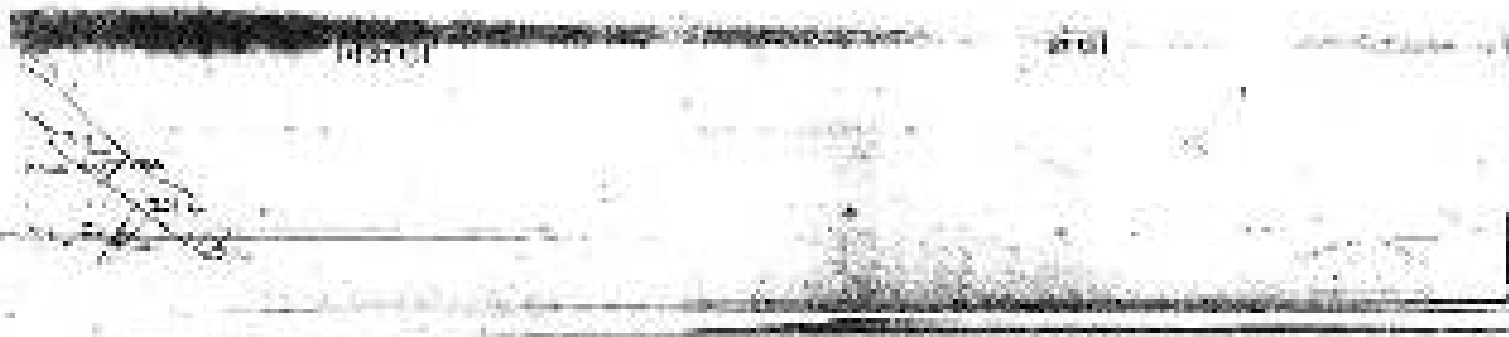
મા ડાહ્યા ભરખખર વગના નિઠનર ડાહ્યાન ર
 નિઠનર

કાનર ડાહ્યા
 કાનર



કાનર ડાહ્યા
 કાનર

કાનર



संस्कृत-भाषा-विभाग - काशी विश्वविद्यालय
काशी

काशी विश्वविद्यालय
काशी



काशी विश्वविद्यालय
काशी

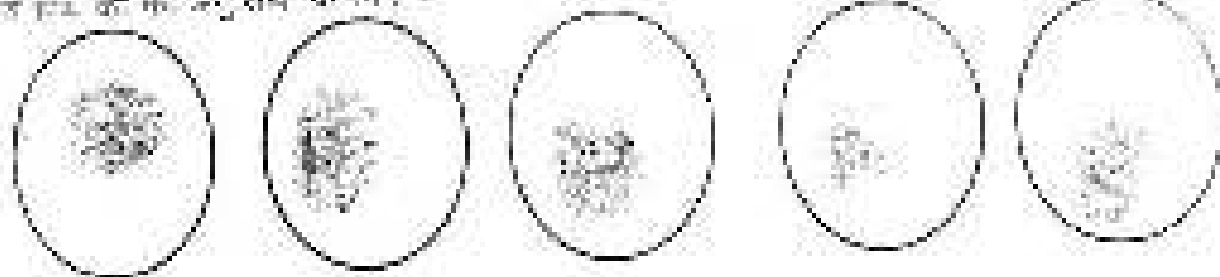
काशी

काशी

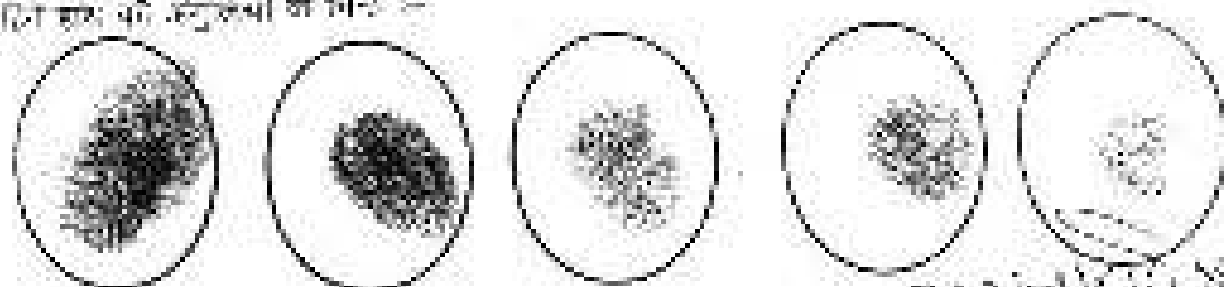
रजिस्ट्रेशन अधिनियम 1908 की धारा - 32 द्वारा के अनुपालन में, किंगडम प्रिन्टर्स

प्रमाणित/विशेष नाम व पता - ... दिल्ली, भारत ...

बाएं हाथ की की अंगुलियों के निश :-



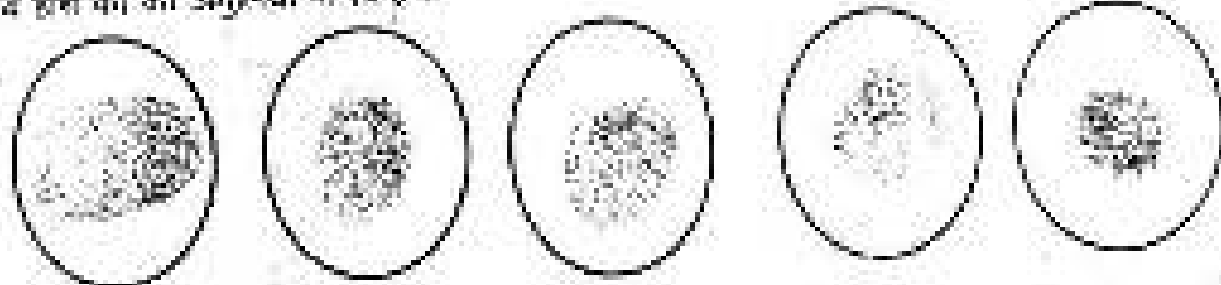
दाहिने हाथ की अंगुलियों के निश :-



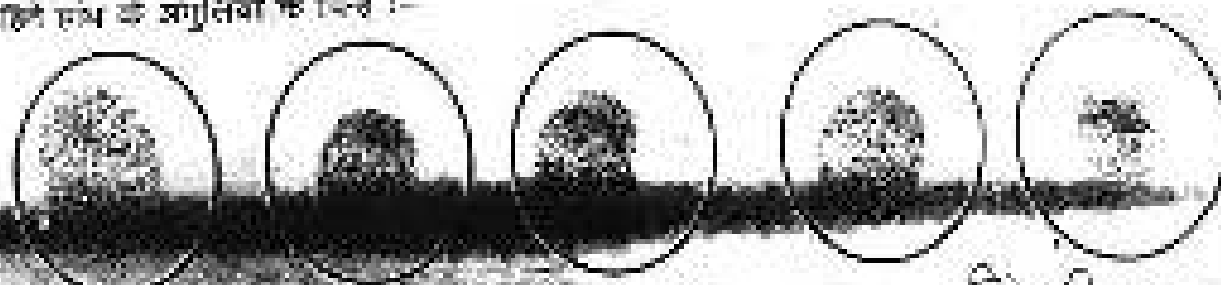
प्रमाणित/विशेष किसी के हस्ताक्षर

दिनांक/दिनांक नाम व पता - ... दिल्ली, भारत ...

बाएं हाथ की की अंगुलियों के निश :-



दाहिने हाथ की अंगुलियों के निश :-



दिनांक/दिनांक

प्रमाणित/विशेष किसी के हस्ताक्षर

रजिस्ट्रेशन अधिनियम 1908 की धारा - 32 एड के अनुपालन हेतु,
किंगडम प्रिन्टर्स

http://www.elsevier.com/locate/jmb

1. The first step is to identify the problem.

 2. The second step is to define the problem.

 3. The third step is to analyze the problem.

 4. The fourth step is to develop a solution.

 5. The fifth step is to implement the solution.

 6. The sixth step is to evaluate the solution.

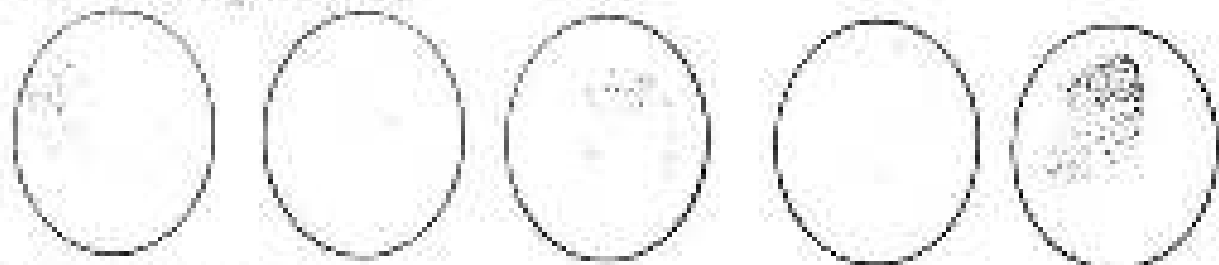
 7. The seventh step is to monitor the solution.

 8. The eighth step is to maintain the solution.

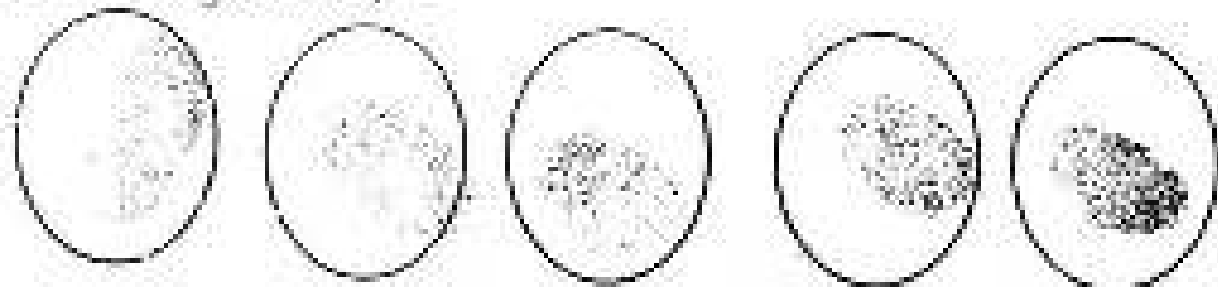
 9. The ninth step is to improve the solution.

 10. The tenth step is to document the solution.

सर्वे भद्राणि कुरुते सर्वे भद्राणि कुरुते



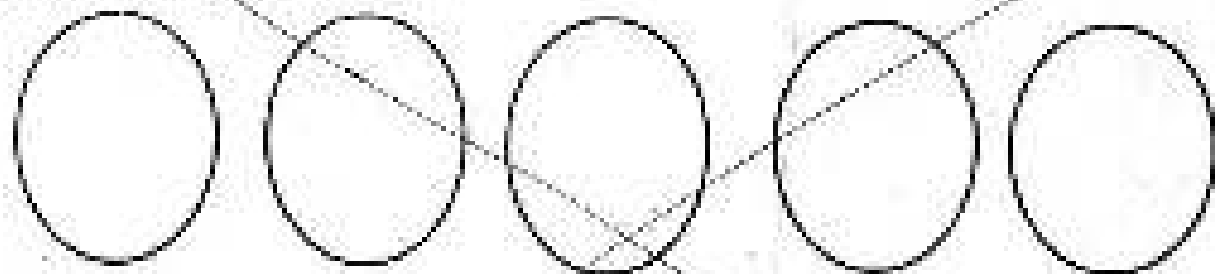
उत्तर :- 1.44 गुणवत्ता में ह्रास :-



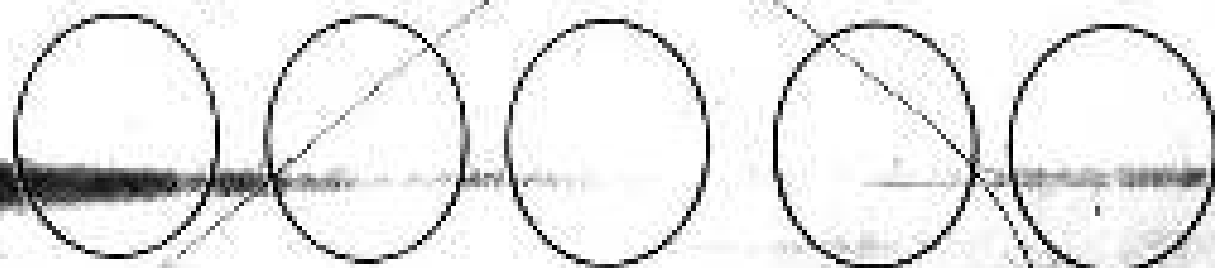
निम्नलिखित नाम व गुण :-

अनुसन्धानात्मक विधियाँ के अलावा

माने हुए सी सी अंगुणियों के लिए



दक्षिण गंगा की उपनद्यों के बीच



Implementation of measures

